ज़ायद बही नं० 4 174

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा R. No = 164
वसीयत शून्य तीन 554	

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

जुज़ 1

...मुसम्मा उमर तख़मीनन 70 साल बेवा पुरशा वल्द गोकल ...शा परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर ...की है जो के मुज़हरा ज़ईफ़ व लाग़र बेवा औरत ज़ात ...असा से मामूली बिमार भी होती रहती चली आती ...हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की ...मुज़हरा के 1 पिसर चेतराम व 2 दुख़्तरान के सुहारी, ...मौजूद हैं, मुज़हरा के जुमला बच्चगान की ...चुकी हैं, दुख़्तरान मज़कूरियान मुज़हरा जिन को ...करने शादीयां माकूल दहेज दिया गया हुआ है ...से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, मुज़हरा की ...में चेतराम पिसर मुज़हरा ही हर तरह से मुज़हरा ...ाल व ख़िदमत व परवरिश करता व इलाज करवाता चला आता है मुज़हरा ख़िदमात ...मज़कूर से बहुत ख़ुश है मुज़हरा को आयन्दा भी ...मज़कूर से ऐसी ही ख़िदमात मुज़हरा करते रहने ...है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है ...मुज़हरा जो कुछ जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला ...गरारा परगना बहादरपुर की मालका व काबज़ा है ...द ख़ुद सिल्ला ख़िदमात ख़ुद में चेतराम मज़कूर ...े की ख़्वाहां है, जो मुज़हरा

...नामा जुज़ 2

...र मज़कूरा मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है ...फ़ात मुज़हरा जायेदाद मुज़हरा की निस्बत कोई शख़्स ...कैसी किस्म को इस लिये अब मुज़हरा बक़ायमी ...वास ख़मसा ख़ुद बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ...ी किस्म जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला ...म ख़ुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करती व ...ी है के जब तक मुज़हरा हयात है जुमला जायेदाद ...म ख़ुद की मालका व काबज़ा है बाद वफ़ात ...जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म ...वाक्या संगरारा परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला ...र हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक्या ...ो का चेतराम वल्द पुरशा वल्द गोकल सकना संगरारा परगना बहादरपुर तहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश यानी पिसर मुज़हरा मौसी ही वाहद कामल मालक

(नकल)

№ 777955 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

वसीयत नामा जुज़ 1

मनके मु॰ अजुध्या उमर तख़मीनन 70 साल बेवा पूरश्‍ना वल्द गोकल सकना संगराशा परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश की है जो के मुज़हरा ज़ईफ़ुल उम्र बेवा औरत ज़ात है और कुच्छ अर्सा से मामूली बिमार भी होती रहती चली आती है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज है, मुज़हरा के 1 पिसर चेतराम व 2 दुख़्तरान मु॰ सुहारी, मु॰ कूबरी मौजूद हैं, मुज़हरा के जुमला बच्चगान की शादीयां हो चुकी हैं, दुख़्तरान मज़कूरीयान मुज़हरा जिन को के बवक़्त करने शादीयां माक़ूल दहेज दिया गया हुआ है ख़ुश असलूबी से अपने अपने सुसराल में आबाद हैं, मुज़हरा की ऐसी हालत में चेतराम पिसर मुज़हरा ही हर तरह से मुज़हरा की देख भाल व ख़िदमत व परवरिश करता व इलाज मुआलजा करवाता चला आता है मुज़हरा ख़िदमात चेतराम मज़कूर से बहुत ख़ुश है मुज़हरा को आयन्दा भी चेतराम मज़कूर से ऐसी ही ख़िदमात मुज़हरा करते रहने की तवक़्क़ा है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हरा जो कुच्छ जायेदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला वाक़्या संगराशा परगना बहादरपुर की मालका व काबज़ा है अब जायेदाद ख़ुद सिल्ला ख़िदमात ख़ुद में चेतराम मज़कूर को ही देने की ख़्वाहां है, गो मुज़हरा

वसीयत नामा जुज़ 2

की जायेदाद मज़कूरा मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हरा जायेदाद मुज़हरा की निस्बत कोई शख़्स तनाज़ा किसी किस्म का इस लिये अब मुज़हरा बक़ायमी होश व हवास ख़मसा ख़ुद बिला जबर व अकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायेदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला हर किस्म ख़ुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करती व लिख देती है के जब तक मुज़हरा हयात है जुमला जायेदाद हर किस्म ख़ुद की मालका व काबज़ा है बाद वफ़ात मुज़हरा जुमला जायेदाद मनक़ूला व ग़ैर मनक़ूला हर किस्म मुज़हरा वाक़्या संगराशा परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक़्या हो का चेतराम वल्द पूरश्‍ना वल्द गोकल सकना संगराशा परगना बहादरपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश यानी पिसर मुज़हरा मौसी ही वाहद कामल मालक

नि॰ अजुध्या, मौसूफ़ा मज़कूरीया
कलमबन्द

नि॰ अजुध्या, मौसूफ़ा मज़कूरीया
कलमबन्द

२०-८-१९९०

बस्टाम मालीयती — अमूल्य
किताब — तीन — नम्बर है।
पत्र — 554 — 1A.

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
२०/८/९०

बनाकर १ बजे दिन
व — — — नामा हुआ आज्ञा — (कैलाश राम) — बनाम बहादुर पुत्र — आज्ञाधारी — १ का हेडमन
— बिलासपुर — — — — — स्थान
२९ सावन — 1912 रोज — २०-८-१९९०
५.०० — — — — — सोमवार
— — कार्यालय सब रजिस्ट्रार
— — रजिस्ट्रेशन पेश किया।

R.T.I
आज्ञाधारी हस्ताक्षर

पेश कर्ता

Bakso Ram Namberdar

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
२०/८/९०

अर
-यह
लि
जो ग
वान।

No 777954 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

व काबज़ तसव्वर हो गा, किसी भी दीगर शख्स का कोई
ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायदाद
मुज़्हरा मौसी से ना हो गा, और हर दीगर वारस मुज़्हरा
मौसी जायदाद हर किस्म मुज़्हरा मौसी से मेहरूम
तसव्वर हो गा, चेतराम मौसीइल्हा मज़कूर ही वाहद
कामल मालक व काबज़

वसीयत नामा जुज़ 3

जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़्हरा
मौसी का हो गा, किसी भी दीगर शख्स को मुज़्हरा
मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख़
करवाने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़्हरा मौसी ने
पहले कोई वसीयत नामा तेहरीर ना कराई है इस लिये
वसीयत नामा हज़ा से पहले की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा
मिन्जानिब मुज़्हरा मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने से रद्द
तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पूरा पूरा
अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के
सनद रहे। तेहरीर 20/8/90

गवाहशुद	अलबद	गवाहशुद
मनोहरलाल वल्द किरपाराम वल्द रपाना लखना सेगरादगा परगना बहादरपुर तेहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश Manohar Lal	निशान अंगूठा, मौसी मज़कूरीया	माडूराम वल्द शिवराम वल्द हीरु लखना देलग परगना व तेहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश माडूराम

हस्ब मुरादसायला लिखा गया सुनसमझ कर दरुसत तसलीम
किया। लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस
बिलासपुर (889 20/8/90) मोहर

(नोट) वसीयत नामा हज़ा 554 अलफ़ाज़ पर मुश्तमल है।

तस्दीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक
या कम व बेश ना है। नकल कुनिंदा हरबंस सिंह अराइज़
व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 889
20/8/90

२०|८|९०

[illegible] वसीयतनामा हुआ [illegible] अनुकम्पा
[illegible] पढ़कर सुनाया व समझाया गया [illegible]
[illegible]
[illegible] व
श्री बाबूराम नम्बरदार [illegible]
[illegible] लिखाया [illegible] में स्वयं
[illegible] हुआ तस्दीक किया
[illegible] होवे।

[illegible]

R.T.I. अनुकम्पा

[illegible] कर्ता
Babu Ram Numberdar

Sub Registrar [illegible]
Distt. [illegible]
२०|८|९०

164 [illegible] 3
९१ [illegible] ९३ [illegible] २०|८|९०
अगस्त [illegible] ९०

Sub Registrar [illegible]
Distt. [illegible]
२०|८|९०